

**Shri A. M. Thomas:** The amount of outlay which is necessary for State schemes is included therein as also the amount which would be spent on the Sugarcane Research Institute

**Shrimati Parvathi Krishna:** May I know whether there have been any results of the delegations going abroad, whether other methods of production have been adopted; and if so, whether any useful results have come from them?

**Shri A. M. Thomas:** It is true that one delegation has gone abroad and it has visited certain countries like Australia. It has submitted a report and the recommendations contained therein are also being taken into consideration.

**Shri Nagi Reddy:** Has the Government tried to review the whole work of the Sugarcane Board for the past eight years to see where the lacuna lies, because even though the Board has been functioning and spending a lot of money we have not been able to increase the production?

**Shri A. M. Thomas:** It is not correct to say that we have spent a lot of money. From the Central revenues we have spent for development schemes in 1956-57 Rs 32 lakhs, Rs 38 lakhs in 1957-58 and we have provided about Rs 60 lakhs for the current year.

**Shri Shivananjappa:** In view of the fact that sugarcane price is linked with the recovery, may I know the steps taken by Government to keep the sugarcane price remunerative to the cultivator?

**Shri A. P. Jain:** Firstly, there is the basic price of Rs 1-7-0 fixed for factory and Rs 1-5-0 for outstations. Secondly, along with it, the cultivators get a bonus worked out on the basis of the formula which has now become a part of the price.

**तूफान की जेतावनी देने वाला रडार बंग**

+

\*२७६ { श्री भक्त बर्षन :  
श्री भक्त प्रसाकर :

क्या करिबहन तथा संचार मंत्री २७ सितम्बर, १९५८ के ताराकित प्रश्न संख्या १६९१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली के सफदरजंग हवाई अड्डे पर तूफान की जेतावनी देने वाला जो रडार यंत्र लगाया गया है, वह धूल के तूफान के बारे में किसी प्रकार भी सूचना नहीं दे सकता है; और

(ख) यदि हा, तो इस कमी को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**असैनिक उद्योग उपमंत्री (श्री मुहीउद्दीन)** (क) और (ख). यह रडार ऐंमो आधियों का पता देता है जो बू से लदे हुए वादलों के साथ ही। ज्यादातर आधिया इमी किम्म की हाती है। रडार की खुसमियत पानी बरसाने वाली आधियों यानी थण्डर-स्टार्म का पता लगाना है। यह रडार उन खुस्क आधियों का पता नहीं लगा सकता जिनके साथ पानी से लदे हुए वादल न पाये जाये। इस किम्म के रडार की यह पामी नहा है।

**श्री भक्त बर्षन:** श्रीमान, जब कि माननीय मंत्री श्रीर दासन को जान है कि दिल्ली में ज्यादातर तूफान रंगस्नान के नजदीक शान के कारण बंग भरे आने हैं तो ऐंमो हालत में कोई ऐंसा यंत्र क्यों नहीं स्थापित किया गया जो पि ऐंमो आधियों का पता लगा सके ?

**श्री मुहीउद्दीन:** मैंने जवाब में बताया है कि ज्यादातर आधिया ऐंमी होनी है जिन

के कि माच पानी का भी लगाव होता है और इसलिए घाबियों का पत्ता यह रडार दे देगा ।

**श्री भक्त बर्दान :** अब तक इस यंत्र के द्वारा जो भी अनुभव प्राप्त किया गया है, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या वह काफ़ी सन्तोषजनक है या नहीं और क्या उससे हमारे हवाईजहाजों का काफी मदद मिली है कि नहीं ?

**श्री मुहीउद्दीन :** मेरे बयान में काफी सहायता मिली है ।

**Shri Joachim Alva :** When TU Jets are coming in and Boeing Jets are soon to come, may I know why we have not got radar capable enough of detecting every kind of storm?

**Shri Mohiuddin :** I have already stated that most of the storms in North India will be detected by this equipment

**श्री भक्त बर्दान :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस तरह का रडार यंत्र क्या केवल दिल्ली में ही स्थापित किया जा रहा है या देश के अन्य स्थानों में भी उसे स्थापित करने की कोई योजना है

**श्री मुहीउद्दीन :** उस किस्म का यह रेडार रडार एक ही है लेकिन दूसरे किस्म के मान रडार यंत्र हमने खरीदने हैं जिनमें मैं दमदम और मेट्रोपॉलीटन ट्राफिस नर्ड दिल्ली उन दो स्थापना पर वह रडार फिट हो चुके हैं और - की शान्तकृत्र, नागपुर मद्रास, गया और गीताटी इन पांच जगहों पर, और लगाय जायेंगे ।

**Mr. Speaker :** Next Question

**Shri A. M. Tariq :** Question No 277

**Shri Tangamani :** Sir I request that Question 282 also may be taken up along with this

**Mr. Speaker :** Let me see 1. Shri D C Sharma present?

249(A1) LSD—2

**An Hon. Member :** No

**Mr. Speaker :** Then I cannot allow it to be taken up

**Shri Tangamani :** Part of the answer to this question is to be given by the previous question

**Mr. Speaker :** That does not matter, the hon Member is not interested

#### Delhi Transport

+

277. { Shri A M Tariq;  
Shri Bibhuti Mishra:

Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state.

(a) whether Government are aware of the acute shortage of transport facilities in Delhi,

(b) if so, what steps are being taken to improve such facilities, and

(c) whether there is any proposal to increase the number of two-seater scooters in Delhi

**The Minister of Transport and Communications (Shri S K Patil).**

(a) Yes There is shortage of cheap transport

(b) Steps have been taken to augment the existing fleet of buses with the Delhi Transport Undertaking. The State Transport Authority, Delhi, is issuing additional permits for taxis and two-seater auto-rickshaws

(c) Additional permits for two-seater auto-rickshaws are being issued by the State Transport Authority Delhi, as and when vehicles become available

**श्री अ० सु० तारिक :** क्या टुकमन का यह इत्स है कि दिल्ली में जो टू मीटर स्कूटर्स चलते हैं उनमें से १० फीसदी ऐसे हैं जिनका कि माइलेज मीटर हमेशा खराब रहता है और क्या उनको पता है कि इन टू मीटर स्कूटर्स के ड्राइवर्स अपनी मरखी में जहा जाना चाहे जाते हैं और पैमेजर्स को भी वह